

15 ^२/_२ - पत्रावली पत्र हुई। आवाजे लगावानी
गई। बाल-बाल आवाजे लगावानी जाने
के बावजूद उभल पाए उपस्थित नहीं;
दिलसे यह उत्तीर्ण होकर है कि बाल-बाल
प्राप्ति-पत्र में ~~में~~ उभल पाए ही नहीं
नहीं है। अतः प्राप्ति-पत्र ही स्वयं
यह उभल होकर स्वयंसे प्रकटी में
कार्य किया जाता है। पत्रावली
विषय में शुभल होकर होकर प्राप्ति
साक्षिल इत्तर है।

३३-११